

तव्य BURNOUR, Intr. 893.

— परा *wegwehen*: परान्यो वातु यद्गपः RV. 10, 137, 2.

— प्र *wehen*: मृक्मेव वात इव प्र वामि RV. 10, 125, 8. वनाच्च वायुः सुरभिः प्रवायात् MBh. 1, 2936. वाताश्च प्रवयुः 4509. 3, 11998. 6, 731. 7, 328. 9029. 12, 6333. 12081. HARIV. 4941. 8790. R. 2, 71, 25. 91, 26. R. GORR. 2, 100, 21. 3, 22, 15. 52, 11. BHAG. P. 3, 9, 18. 5, 24, 5. PANĀT. 169, 6. von Gerüchen: गन्धो यस्याः क्रोशात्प्रवाति वै MBh. 1, 6934. 6, 133. R. GORR. 2, 100, 23. 125, 21 (114, 10 SCHL.). 4, 13, 21. 5, 73, 59. — Vgl. प्रवा, प्रवात (auch R. 5, 26, 1), प्रवाप्य.

— वि *verwehen*, *auseinanderblasen*; *durchwehen*: वि वात वाक् यद्गपः RV. 10, 137, 3. मिह न वातो वि ह वाति भूमं 31, 9. 1, 28, 6. व्यवाति श्योतिरभूत् AV. 8, 1, 21. इमे वै मृक्वास्तो ते वायुर्व्यावात् TS. 3, 4, 3, 1. CAT. Br. 4, 1, 2, 7. 10. KĀT. 13, 2. 27, 3. ततो लोकान्विवात्यसौ (वायुः) MBh. 12, 13379. nach verschiedenen Richtungen hin wehen: विध्वग्वाताश्च विववुः 6, 782. वायुर्विवाति हृदयानि कुरन्मरणाम् R. 6, 22.

— अनुवि *der Reihe oder der Länge nach durchwehen*: दिशः TBa. 2, 3, 9, 6. 3, 10, 4, 2.

— सम् *wehen* TBa. 3, 11, 2, 2. MBh. 4, 1288. 12, 12395. 12401 (wo mit der ed. Bomb. संवाति st. संभाति zu lesen ist).

— अनुसम् *der Reihe nach (zusammen) anwehen*: दिशः TBa. 2, 3, 9, 6. 3, 10, 4, 2.

3. वा, वीयति DAĀRUP. 22, 24 (शोषणो). अवासीत्: auch med. in der Bed. von 2. वा; partic. वान (s. bes.) und वात. 1) matt —, müde werden, sich erschöpfen, erliegen: न वीयन्ति सुखे देवपुत्राः RV. 7, 67, 8. न ता वज्रेषु वापतः 8, 31, 6. बन्धुर्मिर्न वापति *wird nicht müde zu verzehren* 43, 7. — 2) = 2. वा *wehen*: अमीह्णवाता वापते धूमकेतुमवस्थिताः MBh. 6, 97. — अवापत् MBh. 9, 947 Druckfehler für अवारपत्.

— अति *heftig wehen*: अतिवापति *bei heftigem Winde* MBh. 12, 12420.

— अभि, partic. वात *matt, stech*: अभिवातासु गोषु या अनभिवाताः स्युः LĀT. 8, 5, 3. = व्याधित Comm.

— उद् *matt werden, hinstorben*, vom Feuer so v. a. *in sich erlöschen* TS. 2, 2, 4, 7. 5, 7, 5, 1. यस्याक्वनीये ऽनुद्वाते गार्हपत्य उद्वापेत् TBa. 1, 4, 4, 6. 2, 2. यदा वा अग्निरुद्वापति KHAND. Up. 4, 3, 1. उद्वासीत् CAT. Br. 10, 3, 3, 8. — *caus. ausgehen lassen*: अक्वनीयेमुद्वाप्य TBa. 1, 4, 4, 7.

— उप *durch Vertrocknen ausgehen, eintrocknen*: नराशंसः Soma PANĀV. Br. 9, 9, 5. ÇĀK. Çr. 13, 12, 10. falsch उपवापात् (als ob von 2. वा) st. वापेत् KĀT. Çr. 25, 12, 10. 12. कलशमुपवापत्तं प्राणो ऽनूपदस्यति KĀT. 35, 16. वात (Gegens. आर्द्र) trocken: Holz ĀCV. GAH. 3, 8, 4. प्रक्षालितापवात KAUC. 2.

— निस् *erlöschen*: निर्ह्यमिः शीतेन वापति TS. 6, 2, 2, 7. — Vgl. 2. वा mit निस् simpl. und caus.

— प्र *wehen*: वर्धमाने कृतवहे वाते चाशु प्रवापति MBh. 1, 8431. नैव वाताः प्रवापते HARIV. 10738. — Vgl. 2. वा mit प्र.

— अतिप्र *heftig wehen*: वायुनातिप्रवापता MBh. 12, 12418.

— वि *wehen*: सर्वगन्धवहः शुचिर्वायुर्विवायमानः शरीरमस्पृशत् MBh. 12, 13221.

4. वा Nebenform von 1. वन् partic. वात *begehrt, erwünscht; angegriffen, angefochten*: अवस्युवात TS. 4, 4, 13, 3. विवस्वदात 4. — Vgl.

अ०, इन्द्र०, देव० (auch TS. 3, 2, 21, 1), 2. नि०, मनो०.

— desid. विवासति *unter den परिचरणकर्माणाः NAIGH. 3, 5. mit आ act. med. zu gewinnen —, herbeizuziehen suchen; huldigen; locken*: मृग्निं देववीतये RV. 4, 12, 9. 84, 9. मदीयं होता विवासे वाम् 117, 1. 132, 6. 173, 1. रोदसी 7, 72, 3. 100, 1. 8, 49, 5. 9, 86, 14. VS. 6, 23. एकापुरये विशं अविवासति RV. 4, 31, 5. AV. 6, 21, 1; vgl. SV. 1, 4, 2, 4, 3. अविवासन्परावतो अथौ अर्वावतः सुतः । इन्द्राय सिच्यते मधु RV. 9, 39, 5. नमसा 5, 83, 1. 6, 16, 46. सुमैः 1, 41, 8. 10, 93, 2. आङ्गुषैः 7, 94, 11. कृविषा 1, 58, 1. 2, 26, 3. ग्रीभिः 7, 6, 2. 8, 13, 1. उक्थेभिः 5, 43, 4. धीतिभिः 6, 61, 2. सुष्टुपा 8, 16, 3. वचसा 6, 62, 5. कृवसा 66, 11. मनो यो अस्म्य घोरमाविवासात् 7, 20, 6. 4, 119, 9. सुमम् 2, 11, 16. 33, 6. 6, 60, 11. अविवाससौ युवतिर्मनीषा 5, 47, 1. तव प्रणीतो तव प्रूर शर्मन्ना विवासति कवयः सुपुत्राः 3, 51, 7. कृतं चिदेनो नमसा विवासे *ich suche zu begütigen* 6, 51, 8. = वर्जयामि, विनाशयामि SĀJ.

— अग्न्या *in feindlicher Absicht sich nähern*: पराशरो हविर्मनीषामग्न्या विवासात् RV. 7, 104, 21. = आगच्छताम् SĀJ., nach DUGA *derjenigen Verehrer, welche Jātu sind, also der falschen Verehrer*.

— उप *zu gewinnen suchen*: उप वो ग्रीभिर्मृतं विवासत् RV. 6, 13, 6. 5. वा, वीयति und ते DAĀRUP. 23, 37 (तत्संतानि): ववौ, उवाय, ववुस्, जवुस्, जयुस् P. 2, 4, 41. 6, 1, 16. 38. fgg. Vop. 8, 124. 135. fgg. उवपिथ P. 7, 2, 61. Schol. वपिथ्यति; वाय P. 6, 1, 41. Vop. 26, 217. partic. उत (auch उत gewebt, genäht AK. 3, 2, 50. H. 1487) P. 6, 4, 2. *weben, flechten, künstlich ineinanderfügen*, auch Reden, Lieder u. s. w.: नाहं तनुं न वि ज्ञानाम्योतुं न यं वपति समरे ऽतमानाः RV. 6, 9, 2. निर्णोतुम् 9, 99, 1. वक्त्रा 5, 47, 6. MBh. 1, 723. पठं वपत्यौ 806. वयामि प्रत्यहं पञ्च फुट्टिकायुगलानि यत् KATHAS. 32, 99. इन्द्रायार्कमहिकृत्य जवुः RV. 4, 61, 8. मा तनुं प्रहेदि वपेता धियं मे 2, 28, 5. 38, 4. 7, 33, 9. 10, 33, 6. 130, 1. को अस्मिन्प्राणमवपत् AV. 10, 2, 13. VS. 19, 80. 82. 89. TBa. 1, 5, 1, 1. CAT. Br. 3, 1, 2, 19. खमूयुर्वमुधामूवुः सायका रज्जुवतताः *beweben, gleichsam zu einem Gewebe machen* (आवृतवत्तः, क्रादितवत्तः Comm.) BHATT. 14, 84. रज्जुत KĀT. Çr. 15, 7, 1. उत 7, 9, 27. Schol. zu 15, 3, 9. अथ तुरीयेषोतश्च (wohl तुरीयेषा अतश्च gemeint) प्रोतश्च ह्ययमात्मा सिंकः *eingefasst —, steckend —, enthalten in* Nās. TĀP. Up. in Ind. St. 9, 138. fg. — Vgl. जयु, अमेत, श्रोतु, 3. वान.

— *caus. वापयति* P. 7, 3, 37. Vop. 18, 6.

— अय *ein Gewebe auflösen* RV. 10, 130, 1.

— आ *einweben, anfassen, reihen* (z. B. Perlen an eine Schnur), *durchziehen* AV. 10, 8, 37. वनिषु काचान् TBa. 3, 9, 4, 4. 5. CAT. Br. 13, 2, 6, 3. पुष्पाण्यादायावपत्तः KAUSH. Up. 1, 3. देवतानां पशौ मनोस्योतानि CAT. Br. 3, 8, 2, 14. AIT. Br. 2, 10. मणौ सूत्रमोतम् *ist durchgezogen* PANĀV. Br. 20, 6, 6. CAT. Br. 12, 3, 4, 2. 14, 6, 1. 8, 3. KĀT. Çr. 16, 5, 1. अस्मिन्धौः पृथिवी चात्त-रिन्मोतं मनः सक्त प्राणैश्च सर्वैः MUND. Up. 2, 2, 5. यस्मिन्निदमोतं प्रोतं विश्वं शाटीव तनुषु BHAG. P. 9, 9, 7. 10, 15, 35. प्राणैश्चित्तं सर्वमोतम् MUND. Up. 3, 1, 9. MAITRAUP. 6, 3. श्रोतप्रोतो ऽक्तम् MBh. 3, 1789. — Vgl. रगावानम् und नस्योत.

— समा *anfassen, aufreihen*: आदित्य इमौ लोकान्मूत्रे समावपते CAT. Br. 7, 3, 2, 13. 8, 7, 2, 10.

— उद् *hinaufbinden, aufhängen*: शिकोडुत CAT. Br. 5, 3, 4, 28. आ-